सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-425
13/09/2017

मुख्यमंत्री ने 'द इंडियन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ कन्जरवेशन ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी के 49वें वार्षिक अधिवेशन का उद्घाटन किया

पटना 13 सितम्बर, 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज बिहार राज्य अभिलेखागार के सभाकक्ष में 'द इंडियन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ कन्जरवेशन ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी' के 49वें वार्षिक अधिवेशन एवं बिहार राज्य अभिलेखागार निदेशालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों के विमोचन समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि मैं सर्वप्रथम बिहार राज्य अभिलेखागार के निदेशक एवं प्रधान सचिव मंत्रिमण्डल समन्वय विभाग को बधाई देता हूँ कि उनके द्वारा इंडियन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ कन्जरवेशन ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी के 49वें वार्षिक अधिवेशन का आयोजन कराया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिलेखागार में जो अभिलेख हैं, उसका संरक्षण बहुत जरूरी है। उन्होंने पूर्व वक्ताओं के वक्तव्य के आलोक में कहा कि फोटो निगेटिव भी 35 साल में नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि उसे बरकरार रखने के लिये जो भी तकनीक है, उसे अपनाया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि इस अधिवेशन में वैसे लोगों को भाग लेना चाहिये, जिन्हें पुरानी चीजों को संरक्षित करने में दिलचस्पी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे हाल ही में मधुबनी के सरिसबपाही गॉव गये थे। यह एक अद्भूत गॉव है। वहॉ के अयाची मिश्र और उनके पुत्र शंकर मिश्र की जानकारी लोगों द्वारा दी गयी थी। उनकी अद्भूत कार्य प्रणाली थी। वे गॉव के बाहर टिले पर लोगों को पढ़ाते थे और कोई शुल्क नहीं लेते थे किन्तु उनकी एक शर्त थी कि जो विद्यार्थी पढ़ेगा, उसे अन्य दस विद्यार्थियों को पढ़ाना होगा। छह सौ वर्ष पूर्व इस तरह की बात मामूली नहीं है। उन्होंने कहा कि आपकी सोसायटी भी अद्भूत है, आपके वर्कशाप में भी जो सहभागी हों, उनको भी कम से कम दस लोगों को इसके बारे में बताने हेतु प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी को यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिये कि वो प्रकृति पर नियंत्रण कर सकता है। अभी हाल में आयी बाढ़ इसका एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह प्रकृति की एक मात्र चेतावनी थी। सभी लोग पर्यावरण का ख्याल रखें, पर्यावरण से छेड़छाड़ नहीं करें। उन्होंने कहा कि इस साल के बाढ़ में अररिया, किशनगंज के नब्बे वर्ष के किसी बुर्जुग को भी अनुभव नहीं है कि पहले इतनी वर्षा हुयी होगी। नेपाल में तीन दिनों में 600 एम0एम0 बारिश और बिहार के सीमांचल क्षेत्रों में 300 से 400 एम0एम0 वर्षा हुयी। जितनी वर्षा पूरे मॉनसून में होती है, वह तीन दिनों में हो गयी। 14 अगस्त को हमने एरियल सर्वे किया। ग्रामीण सड़कों की तो बात छोड़िये, स्टेट हाइवे और एन0एच0 भी विनष्ट हो गये हैं। प्रकृति की ताकत को नजर अंदाज कर हम भ्रम पालते हैं कि हम सब चीज को काबू कर लेंगे। यह कुदरत की डॉट फटकार है। उन्होंने कहा कि गॉधी जी ने कहा था कि प्रकृति आपकी जरूरत को पूरा कर सकती है किन्तु आपके लालच को पूरा नहीं कर सकती।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज डॉक्यूमेंटेशन ऑफ द रिकॉर्ड ऑन अर्थक्वेक इन बिहार 1934 को संग्रहित कर पुस्तक के रूप में लाया गया है। उन्होंने कहा कि गुजरात जैसा भूकम्प बिहार में आया तो लाखो लोग मारे जायेंगे। विज्ञान का काफी विकास हुआ है किन्तु

कब, कहॉ भूकम्प आयेगा, किसी को पता नहीं चलता। उन्होंने कहा कि इसके लिये जागरूता ही उपाय है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी काम हुआ है और हम लगातार इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों को भी इसके बारे में जागरूक किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार का हर हिस्सा आर्कियोलॉजिकल साइट है। बिहार में ऐसे स्थल भरे पड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कन्जरवेशन ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी के क्षेत्र में बिहार में क्या किया जा सकता है, इस संबंध में आई0ए0एस0सी0 के अध्यक्ष श्री वी0वी0 खड़बरे अपना मार्गदर्शन दें, सरकार की ओर से आर्थिक एवं नीतिगत सहयोग दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि हमारे यहॉ विशेषज्ञों की कमी नहीं है बल्कि प्रॉपर ओरिएंटेशन की कमी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष में गॉधी जी के जीवनी एवं कृत्य को लेकर स्कूली बच्चों को कहानियों को पाठ पढ़ाया जायेगा। इसका वाचन प्रतिदिन प्रार्थना के बाद हेागा। बाद में प्रतियोगिता आयोजित होगी की कौन कितना समझ पाया। यदि नई पीढ़ी के दस प्रतिशत बच्चे भी गॉधी जी के जीवन दर्शन को समझ लेंगे तो समाज बदल जायेगा।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर डॉक्यूमेंटेशन ऑन सिनेमा इन द रिकॉर्ड ऑफ बिहार स्टेट आरकाइव्स (तीन खण्ड में), डॉक्यूमेंटेशन ऑफ द रिकॉर्ड ऑन अर्थक्वेक इन बिहार 1934 (तीन खण्डों में), बिहार विधान मण्डल में रामानंद तिवारी जी के संभाषण एवं अभिलेख–बिहार–खण्ड 7 जो कि महत्वपूर्ण शोध आलेखों का संग्रह है, से संबंधित पुस्तकों का लोकार्पण किया और प्रधान सचिव मंत्रिमण्डल समन्वय को लोकार्पित पुस्तकों को महाविद्यालयों एवं पुस्तकालयों में भेजने का निर्देश दिया ताकि नई पीढ़ी के लोग जिनकी दिलचस्पी पुस्तकों में है, पढ़ सकें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आई0ए0एस0सी0 के विशिष्ट सदस्य श्री आई0के0 भटनागर को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। प्रधान सचिव मंत्रिमण्डल समन्वय श्री ब्रजेश मेहरोत्रा ने भी मुख्यमंत्री को पुस्तक भेंट की।

इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने गॉधी जी के चम्पारण सत्याग्रह 1917 से संबंधित अभिलेखों एवं हस्ताक्षरित पत्रों की प्रदर्शनी तथा बिहार के विभिन्न संस्थानों एवं निजी संग्रह में संग्रहित पाण्डुलिपियों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

समारोह को अध्यक्ष आई0ए0एस0सी0, नई दिल्ली श्री बी0भी0 खरबडे ने भी संबोधित किया और कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है।

इस अवसर पर बी0आर0ए0 बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर के पूर्व कुलपति प्रो0 निहार नंदन प्रसाद सिंह, मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा के इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो0 रत्नेश्वर मिश्र ने अभिलेखागार द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का परिचय कराया। समारोह को प्रधान सचिव मंत्रिमण्डल समन्वय श्री ब्रजेश मेहरोत्रा ने भी संबोधित किया एवं धन्यवाद ज्ञापन बिहार राज्य अभिलेखागार पटना के अभिलेख निदेशक डॉ0 विजय कुमार ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार सहित अभिलेखागार के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******